शुक्रवार
01 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4

इन लोगों को भूल से भी नहीं पीना चाहिए दूध

पृष्ठ 5

दिव्यांका त्रिपाठी ने किया अपनी पहली फिल्म का ऐलान

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 64
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आँख के अंधे को दुनिया नहीं दिखती, काम के अंधे को विवेक नहीं दिखता, मद के अंधे को अपने से श्रेष्ठ नहीं दिखता और स्वार्थी को कहीं भी दोष नहीं दिखता।
— चाणक्य

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

स्वास्थ्य सचिव की पत्नी से हुए विवाद का मामला

डॉ. निधि का तबादला निरस्त

विशेष संवाददाता

देहरादून। 'सैंया भए कोतवाल अब डर काहे का' जी हां आपने यह कहावत तो सुनी ही होगी। दून अस्पताल की डॉक्टर निधि उनियाल और स्वास्थ्य सचिव की पत्नी के बीच हुए विवाद पर यह कहावत एकदम चरितार्थ उतरती है। लेकिन सचिव स्वास्थ्य विभाग और उनकी पत्नी ने शायद यह नहीं सोचा होगा कि उनसे भी बड़ा कोतवाल जो सचिवालय में बैठा है वह उनकी सारी हेकड़ी निकाल सकता है। शासन के संज्ञान में लेने के बाद अब डॉक्टर निधि का अल्मोड़ा तबादला निरस्त किया जा चुका है। बीते कल सचिव स्वास्थ्य पंकज पांडे की पत्नी को दून अस्पताल प्रशासन के निर्देश पर उनके घर देखने पहुंची डॉ निधि के साथ उनकी पत्नी द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने की खबर आई थी। जिसकी शिकायत उन्होंने अस्पताल प्रशासन से की थी लेकिन अस्पताल प्रशासन ने उल्टा उन्हें ही दोषी ठहराते हुए सचिव की पत्नी से माफी मांगने को कहा गया। अपने अपमान और अस्पताल प्रशासन के रवैए से आहत डा. निधि ने जब माफी मांगने से इंकार कर दिया तो स्वास्थ्य विभाग ने उनका अल्मोड़ा तबादला कर दिया गया। डॉ निधि को जब यह आदेश मिला तो उन्होंने अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे में साफ लिखा कि

●मुख्यमंत्री के निर्देश पर रोका गया तबादला, जांच को कमेटी गठित
●अपर मुख्य सचिव मनीषा पंवार करेंगी जांच

उनकी जब कोई गलती नहीं है तो वह माफी क्यों मांगें। डॉक्टर निधि ने साफ किया कि किसी अधिकारी या नेता के घर जाकर मरीज देखना उनकी ड्यूटी नहीं है, फिर भी वह ओपीडी में मरीजों को छोड़कर सचिव के घर गई जहां उन्हें अपमानित किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की तानाशाही और चापलूसी के खिलाफ आवाज उठाने वाली डॉ निधि के इस्तीफे के बाद हरकत में आई सरकार ने फिलहाल डॉक्टर निधि के अल्मोड़ा तबादले को निरस्त करने के आदेश दे दिए हैं। साथ ही इस मामले की जांच के लिए भी एक कमेटी गठित कर दी गई है। एक तरफ सचिव स्वास्थ्य पंकज पांडे अब उनके तबादले को प्रक्रिया का हिस्सा बता रहे हैं, जबकि तमाम संगठन और कर्मचारी डॉ निधि के समर्थन में खड़े होते दिख रहे हैं।

यह विवाद सही मायने में यही दर्शाता है कि भले ही अंग्रेज देश छोड़कर चले गए हो लेकिन देश में वह जो अंग्रेजियत छोड़ गए हैं उससे कभी भी निजात नहीं मिल सकती है। अधिकारी अपने मातहत व अन्य कर्मचारियों को आज भी अपने निजी नौकर मानने की मानसिकता से ग्रसित है। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत जब इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचे तो उन्होंने मामले की गंभीरता को समझते हुए डॉक्टर निधि का तबादला रोकने के निर्देश दिए। राज्य पहले से ही डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है उसके ऊपर अधिकारियों के गलत रवैये के

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

परीक्षा जीवन का सहज हिस्साः मोदी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को परीक्षा के टेंशन से मुक्ति और सफलता के गुर बताए गए वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें अपने जीवन के संस्मरण सुनाकर यह समझाने का प्रयास किया गया कि डर के आगे जीत है।

❑माता-पिता और गुरु ही कर सकते हैं अच्छे समाज का निर्माणः धामी

बच्चों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परीक्षा जीवन का एक सहज हिस्सा है। हर व्यक्ति को जीवन भर हर कदम पर एक नई चुनौती का सामना करना होता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की चुनौती से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी परीक्षा में आत्मविश्वास का सबसे अहम महत्त्व होता है। अगर आपके अंदर आत्मविश्वास है कि हां मैं यह कर सकता हूं तभी आप किसी परीक्षा को पास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर परीक्षा से होने वाले अनुभव को अपनी ताकत बनाएं। उन्होंने परीक्षा को तनाव नहीं त्योहार बताते हुए

कहा कि डर और तनाव में रहकर कोई भी बड़ा व अच्छा काम नहीं किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों के जीवन में खेल को अहम बताते हुए कहा कि बिना खेले कोई नहीं खिल सकता।

इस कार्यक्रम को सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी संबोधित किया। उन्होने बच्चों से पूछा कि क्या उन्हें परीक्षाओं से डर लगता है। उन्होंने कहा कि डरना जरूरी है और सभी को डर लगता है, उन्होंने कहा कि डरना एक जरूरी बात है। क्योंकि डर हमें किसी स्थिति से निपटने की तैयारियां रखने पर विवश करता है। उन्होंने अपने संबोधन में बच्चों से कहा कि डॉ. कलाम का कहना था कि इस देश व समाज को तीन लोग ही बदल सकते हैं। माता-पिता और गुरु। उन्होंने

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

राज्य सभा में बीजेपी सांसदों की संख्या पहली बार हुई 100 के पार

नई दिल्ली। राज्य सभा में पहली बार बीजेपी ने सदस्यता में १०० से ज्यादा का आंकड़ा पार कर लिया है। ये उपलब्धि हासिल करने वाली बीजेपी १९८८ के बाद पहली पार्टी बन गई है। गुरुवार को हुए संसद के उच्च सदन

के चुनाव के हालिया दौर के बाद, बीजेपी के राज्य सभा सांसदों की संख्या अब १०१ हो गई है। बीजेपी ने ये उपलब्धि १३ में से चार सीटें जीतकर हासिल की, जिसके लिए गुरुवार को मतदान हुआ। बीजेपी की गठबंधन सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ने असम से एक राज्य सभा सीट जीती। बीजेपी ने तीन पूर्वोत्तर राज्यों असम, त्रिपुरा और नागालैंड से राज्य सभा की चार सीटें जीतीं। बीजेपी ने इस क्षेत्र से राज्य सभा में अपने सदस्यों की संख्या भी बढ़ा दी है। राज्य सभा में बीजेपी के १०० का आंकड़ा पार करने के साथ ही विपक्ष को इस साल अगस्त में होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से बाहर कर दिया गया है। असम की दो राज्य सभा सीटों और त्रिपुरा की एक सीट के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था। बीजेपी उम्मीदवार और उनकी महिला शाखा के राज्य अध्यक्ष एस फांगनोन कोन्याक को नागालैंड की एकमात्र राज्य सभा सीट के लिए निर्विरोध चुना गया, जिससे वो संसद के उच्च सदन में सीट पाने वाली राज्य की पहली महिला बन गईं।

भारत में एक दिन में कोरोना के 1335 नए मामले दर्ज, 52 और मरीजों ने गंवाई जान

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के मामलों में आज मामूली बढ़ोतरी हुई है। गुरुवार के मुकाबले शुक्रवार को कोरोना के ११० ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। वहीं एक्टिव केस में कल के मुकाबले आज ५०० से ज्यादा मामलों की गिरावट दर्ज हुई है, जिसके बाद देश में एक्टिव केस की संख्या घटकर १३,६७२ रह गयी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार सुबह को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में कोविड-१९ के १,३३५ नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या ४,३०,२५,७७५ हुई जबकि ५२ मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या ५,२१,१८१ पर पहुंच गयी है।

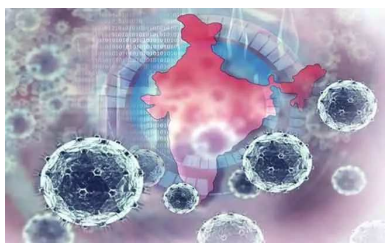

आंकड़ों के मुताबिक, पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस के एक्टिव केस की संख्या में ६३५ मामलों की कमी दर्ज की गयी है। डेली पॉजिटिविटी रेट ०.२२ प्रतिशत और वीकली पॉजिटिविटी दर ०.२३ प्रतिशत दर्ज की गयी। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर ४,२४,९०,६२२ हो गयी है, जबकि डेथ रेट १.२१ प्रतिशत दर्ज की गयी।

देशव्यापी कोविड-१९ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक टीके की १८४.३१ करोड़ खुराकें दी गयी है। उल्लेखनीय है कि देश में १९ दिसंबर २०२० को कोविड-१९ के मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल २६ जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए थे।

वही दूसरी ओर दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर ४८.८३ करोड़ हो गए हैं। कोरोना महामारी से अबतक कुल ६१.४ लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि १०.८८ अरब से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

आखिर कहां जाकर रुकेगी महंगाई

चुनाव निपटते ही महंगाई ने जिस तरह से कुलांचे भरना शुरू कर दिया है उसे लेकर आम आदमी हैरान परेशान है। 137 दिन की खामोशी के बाद पेट्रोल डीजल की कीमतें जब बढ़नी शुरू हुई तो वह अब रुकने का नाम नहीं ले रही है। हालात यह है कि बीते 12 दिनों में 10 बार पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ चुकी है और अब पेट्रोल 100 के पार व डीजल 90 के पार जा चुका है। रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में एक साथ 50 रूपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। वही सीएनजी के दामों में भी भारी वृद्धि हुई है। तमाम दुग्ध उत्पाद कंपनियों द्वारा दूध के दाम 2 रूपये लीटर बढ़ाये जा चुके हैं। उत्तराखंड में पेयजल और बिजली की कीमतों में वृद्धि की जा चुकी है खाद्य तेल और घी पहले ही आसमान छू रहे हैं। अभी 4 दिन पूर्व विपक्षी दलों ने बढ़ती महंगाई के इस मुद्दे को संसद में भी उठाया था और 2 दिन पूर्व इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन किया गया था। लेकिन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। बीते एक पखवाड़े में जिस तेजी से खाद्य पदार्थों और आम उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है उससे यह साफ हो गया है कि आने वाला समय और भी मुश्किलों भरा रहने वाला है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि का असर पूरे बाजार पर पड़ता है। परिवहन व माल भाड़ा वृद्धि का असर सभी उपभोक्ता वस्तुओं पर पड़ता है। खास बात यह है कि इस मूल्यवृद्धि का असर जिसका उस आबादी पर सबसे ज्यादा पड़ रहा है जो रोज कमाने खाने वाले हैं। गरीब आदमी के लिए इस महंगाई के दौर में पहले ही मुश्किलें इतनी ज्यादा थी कि उसको घर का चूल्हा जलाना मुश्किल हो रहा था लेकिन अब महंगाई का जो नया दौर शुरू हुआ है उससे उसकी मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई है। सवाल यह नहीं है कि पिछले समय में महंगाई का स्तर क्या था और आज क्या है? चिंतनीय विषय यह है कि अगर इसी तरह से आम उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में इजाफा होता रहता है तो आने वाले दिनों में आम आदमी के जीवन का क्या होगा? दरअसल सत्ता में बैठे लोगों द्वारा अपने जनसमर्थन को ही अपनी सफलता का पैमाना मान लिया जाता है और जन समस्याओं को दरकिनार कर दिया जाता है। सत्ता में बैठे लोगों की सोच ऐसी बन चुकी है कि अगर जनता किसी समस्या से आहत होती तो उन्हें वोट क्यों देती? जबकि जनता राष्ट्र-धर्म और जाति-सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर समर्थन कर रही होती है। सरकार द्वारा दिए जाने वाला मुफ्त का राशन जनता को क्या भूखा मरने से बचा सकता है? यह बात जनता को अब समझ जरूर आ रही होगी अगर सरकार ने तत्काल प्रभाव से इस महंगाई पर अंकुश नहीं लगाया तो गरीबी की रेखा से नीचे आने वालों की संख्या में भारी इजाफा होना तय है और गरीबों को पेट भर भोजन मिलना भी मुश्किल हो जाएगा।

बुजुर्ग महिला से मंगलसूत्र लूट का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। बुजुर्ग महिला के घर में घुसकर गले का मंगलसूत्र छीनकर भागे बदमाश को पुलिस व एसओजी ने कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने लूटी गयी चेन भी बरामद कर ली है।

जानकारी के अनुसार बीती 28 मार्च को पियाना निवासी एक बुजुर्ग महिला ने कोतवाली पिथौरागढ़ में तहरीर देकर बताया गया कि एक व्यक्ति उसके घर में घुसकर उसके गले से तीन तोले का मंगलसूत्र छीनकर भाग गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी लुटेरे की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस के आलाधिकारियों द्वारा मामले की गम्भीरता को देखते हुए इसके खुलासे हेतू कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस के संग एसओजी टीम को भी लगाया गया। संयुक्त टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बीती शाम आरोपी सुरेश प्रसाद कोहली पुत्र स्व. गम्भीर राम कोहली निवासी डुंगरी रावल पो. चमाली तहसील व जिला पिथौरागढ़ को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने लूटा हुआ मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कस्टमर केयर अधिकारी बन ठगे 93 हजार

संवाददाता

देहरादून। सीआईएसएफ के अधिकारी के बेटे से कस्टमर केयर अधिकारी बन 93 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीआईएसएफ अधिकारी सुशील कुमार ने शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पुत्र सुमित कुमार सिंह जो कि दूबई में कार्यरत है, ने मुझे शाम के समय सुचित किया कि उसे पेटीएम ऑपरेशन में कुछ समस्या थी जिसके वजह के उसने गूगल के साईट पर जाकर मोबाईल पर सम्पर्क किया (यह नम्बर पेटीएम कस्टमर केयर के नाम से रजिस्टर्ड था) और बाद में उसने यह सुनिष्ठिचत किया कि वह कस्टमर केयर का अधिकारी है उसने उपने समस्या को बताने के लिए कहा और । एनी डेस्क एप्प मेरे पुत्र के मोबाइल में डाउनलोड करवाया और उसने आगे यह बताया कि वह एक एसएमएस भेज रहा है जिसे वापस उसी नम्बर पर भेजने को कहा जिसे मेरे पुत्र ने स्वीकार करके वापस उसी नम्बर पर भेजा। इसे भेजते ही उसके खाता से 93738 निकाल लिये गये। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके बेटे के साथ धोखाधडी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डांवाडोल, भयाकुल या नासमझ?

हरिशंकर व्यास

अंतरराष्ट्रीय राजनीति का वक्त कोई भी हो, सन् 1950 की कोरियाई लड़ाई हो या 2022 की यूक्रेन लड़ाई, भारत हमेशा डांवाडोल रहा है। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बनाई लकीर का भारत 75 वर्षों से फकीर है। तभी आश्चर्य नहीं जो भारत-चीन की 26 सौ मील लंबी सीमा पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं और शांति भंग चीन द्वारा हुई है बावजूद इसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की विदेश नीति चीन के साथ खड़ी हुई है। चीन और भारत दोनों का संयुक्त राष्ट्र में एक सा स्टैंड है। आजाद भारत ने संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय पंचायत में सर्वप्रथम खुद अपने आपको कश्मीर में फंसाया था। जी का जंजाल बना। फिर कोरियाई मामले में अंतरराष्ट्रीय राजनीति का भारत को पहला अनुभव हुआ तो उसने 1950 में कोरियाई लड़ाई में चीन को हमलावर करार देने के प्रस्ताव का विरोध किया। वह हमलावर चीन के पक्ष में था। तभी से दुनिया की लिबरल जमात में भारत को लेकर चिढ़ बनी। नतीजतन 1962 में चीन ने भारत पर हमला कर लद्दाख और नेफा की जमीन कब्जाई तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में चीन को हमलावर करार देने का प्रस्ताव लाने वाला कोई नहीं था। पंडित नेहरू न संयुक्त राष्ट्र में चीन की भर्त्सना का प्रस्ताव बनवा पाए और न गुटनिरेपक्ष देशों ने मिलकर चीन की भर्त्सना की। तब से आज तक चीन कोई 38 हजार वर्ग किलोमीटर भारतीय जमीन कब्जाए हुए हैं। उस गलवान घाटी में भी दो साल पहले चीन ने फिर अपने सैनिक आगे बढ़ाए, जहां जुलाई 1962 में चीनियों ने भारतीय चौकियों को घेर हमले की धमकी दी थी। तब धमकी थी और 68 साल बाद डोकलाम से ले कर गलवान तक चीनी सेना ने वापिस धौंस बनाई। भारत के प्रतिरोध में सब कुछ करते हुए भी बताया जाता है कि चीन ने सन् 2020 में गलवान क्षेत्र में कोई 115 वर्गमील नया कब्जा बनाया है।

इसके बाद का सत्य? सीमा पर आमने-सामने दोनों की सेनाएं हैं। चीन कमांडर बातचीत में भारत का पक्ष सुनता हुआ नहीं है। लद्दाख-सिक्किम-अरूणाचल प्रदेश पर सेनाओं को तैनात किए हुए है। पीछे हटने या सीमा पर अपनी धौंस घटाने को तैयार नहीं।

बावजूद इसके रूस-यूक्रेन की लड़ाई के इतिहासजन्य मोड़ पर भारत न केवल चीन के साथ खड़ा है, बल्कि वह चीनी विदेश मंत्री वांग यी की दिल्ली में मेजबानी कर अंतरराष्ट्रीय राजनीति कर रहा है। वह भी 57 मुस्लिम देशों के इस्लामिक संगठन ओआईसी के विदेश मंत्रियों के 48वें इस्लामाबाद सम्मेलन के बाद। इस सम्मेलन के प्रस्ताव में जहां कश्मीर पर भारत विरोध के कई पैरे हैं वहीं चीन का समर्थन भी है। सम्मेलन में चीन के विदेश मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा- हमने अपने इस्लामी दोस्तों का कश्मीर पर आह्वान सुना और चीन उसे शेयर करते हुए आशावादी है।

इसलिए भारतीय विदेश नीति का फिर यक्ष प्रश्न कि भारत का भला पड़ोस की इस्लामी या चाइनीज सभ्यता की अनुदारवादी महाशक्तियों से है या पश्चिम के लिबरल देशों से है? 1950 के कोरिया संकट से लेकर 2022 में रूस-यूक्रेन लड़ाई की लंबी कालावधि में भारत हमेशा अनुदारवादी-तानाशाह देशों के साथ उपस्थित या अनुपस्थित की संगत में रहा है। 1947 में आजादी के बाद अमेरिका, पश्चिमी देशों ने भारत को कई बार अपने साथ करने की कोशिश की, विशेषकर साम्यवाद को रोकने की रणनीति में। लेकिन पंडित नेहरू का दिल-दिमाग तैयार नहीं हुआ। परिणामत: परिस्थितियों से भारत अपने आप सोवियत संघ के संरक्षण में जाता गया। उसी की विरासत में भारत सैन्य ताकत, हथियारों के जखीरे में आज भी रूस पर आश्रित है। तभी स्वाभाविक है यह दुविधा कि वह करे तो क्या करे?

भारत की विदेश नीति का सत्य है कि वह अपने हित, अपने मिजाज अनुसार विकल्प नहीं बना पाया। हमेशा मजबूरी या परिस्थितिजन्य हालातों में भयाकुल दिल-दिमाग में फैसले होते गए। सन् 2022 में भारत की सर्वोच्च चिंता भारत-चीन सीमा पर सैनिकों की तैनातगी और चीन की मंशा की है। तात्कालिक प्राथमिकता है कि जैसे भी हो चीन पीछे हटे। चीन का भय है। इस भय के निदान में भारत को पश्चिमी देशों की महत्ता इसलिए समझ नहीं आती क्योंकि चीन पश्चिम की बात सुनता हुआ नहीं है। वह पश्चिमी दबदबे को खत्म करके ही तो अपना साम्राज्यवादी विस्तार कर रहा है। तभी संभव है यूक्रेन पर हमला करने से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कुछ घंटों की भारत यात्रा में भरोसा दिया हो कि वे चीन को मना लेंगे। भारत दोस्ती निभाता रहे। नतीजतन यूक्रेन मामले में भारत की रीति-नीति चीन की चिंता में अस्थिर!

ऐसा भरोसा क्या भारत को विश्वसनीय समझ आना चाहिए? चीन से भारत का 75 वर्ष का जो अनुभव है और उसकी दादागिरी (1962 में भारत पर हमला) के आगे सोवियत संघ या रूस जैसे पल्ला झाड़े रहा है तो अनुभव की हकीकत में भारत कैसे रूस के भरोसे व चीन के उसे मानने का भरोसा बना सकता है

निश्चित ही व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनफिंग से जैसे जो बात करके यूक्रेन पर हमले के संकट में तटस्थता से जो समर्थन बनवाया उसकी धुरी राष्ट्रपति शी जिनफिंग हैं। चीन का खेल है और यह बात इस्लामाबाद में विदेश मंत्री वांग यी के इस वाक्य से जाहिर है कि वह दुनिया में बहुध्रुवीय व्यवस्था चाहता है। इसके लिए वह इस्लामी देशों का साथ बना रहा है।

समझने वाली बात है कि रूस की दुर्दशा, दुनिया में उथल-पुथल के बीच भी चीन का विदेश मंत्री 57 इस्लामी देशों के साथ अपनी और इस्लामी धुरी की विश्व व्यवस्था की कूटनीति करते हुए है। अपने मकसद में इस्लामाबाद, काबुल, दिल्ली, काठमांडो में जस के तस पुराने अंदाज में दांवपेंच चल रहा है। विदेश मंत्री भारत आ कर वैसे ही बातचीत कर पटाते हुए है जैसे एक वक्त चाऊ-एन-लाई ने आ कर नहेरू का पटाया था। पंचशील के तराने गाए थे। यदि ऐसा है तो सन् 2022 भी उस नासमझी की पुनरावृत्ति है, जिसके दुष्परिणाम भारत ने 1962 में झेले थे!

नु नो रयिं रथ्यं चर्षणिप्रां पुरुवीरं मह ऋतस्य गोपाम्।
क्षयं दाताजरं येन जनान्स्पृधो अदेवीरभि च क्रमाम विश आदेवीरभ्यश्नवाम।।
(ऋग्वेद ६-४६-१५)

हे जगत के स्वामी ! हमें ऐसा धन प्रदान करो जो हमारे शरीर रूपी रथ को उत्तम बना सकें। जिस धन से हम क्रियाशील बनें। जिस धन से हम अपने यज्ञनिक कार्यों में वृद्धि कर सकें। जिस धन से हमारी वीर संतानों का निर्माण हो। जिस धन से हम वासनारूपी शत्रुओं का नाश कर पाएं और अपने अंदर उत्तम भावनाएं उत्पन्न कर पाएं।

O lord of the world ! Grant us such wealth, which can make the chariot of our body perfect. With which we can become active. With which we can augment our Yajnik deeds. With it, we can make our progeny brave. With which we can destroy our enemies in the form of lust and generate noble feelings in ourselves.
(Rig Veda 6-49-15)

मोबाइल टावर लगाने के नाम पर ठगी

देहरादून (संवाददाता)। मोबाइल टावर लगाने के नाम पर हजारों रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन राणा पुत्र ज्ञान सिंह राणा निवासी ग्राम व पोस्ट उम्मेदपुर, प्रेमनगर थाना बसंत विहार अपनी जमीन पर मोबाईल टॉवर लगाना चाहता है जिसके लिये प्रार्थी द्वारा गूगल पर सर्च किया गया जिस पर मुझे टावर लगाने वाली कम्पनी ए. बी.जी. टॉवर की साईट मिली जिस पर एक मोबाईल नम्बर व नाम नितीश कुमार तिवारी दिया हुआ था, जिस पर उसने उक्त व्यक्ति से बात की तो उसने खुद को कम्पनी का एस०ई०ओ० बताया और उसके द्वारा उसके व्हॉटसएप पर कम्पनी का एप्रूवल लेटर भेजा और साथ ही मुझे एक मोबाइल नम्बर दिया गया और कहा कि यह कम्पनी के एडवोकेट का है जिसका नाम अनुज सौनी बताया । इसके पश्चात् उसने उक्त कथित एडवोकेट के नंबर पर बातचीत की गयी तो उसके द्वारा एग्रीमेंट चार्ज के रूप में 2450 रूपये मांगे और उसके द्वारा उसको गूगल पे के द्वारा 2450 रूपये दिनांक 12 मार्च 2022 को अदा कर दिये गये । उसके पश्चात् भी लगातार रूपयो की मांग की जाने लगी जिस पर एस.ई.ओ. से बात की तो उसने भी कहा कि उक्त एडवोकेट के खाते 81,450 रूपये उससे ले लिये और मोबाईल टॉवर आज तक नहीं लगाया। उससे ओर रूपयों की मांग की गयी तो उसने मना कर दिया तथा अपने रूपये वापस मांगे तो उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। जिससे उसको पता चला कि उसके साथ धोखाधडी हुई है।

कांग्रेसियों ने महंत देवेन्द्र दास को झण्डा मेला व नव संवत्सर की बधाई दी

देहरादून (सं)। महानगर कांग्रेसजनों ने महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा के नेतृत्व में गुरू रामराय दरवार साहिब पहुंचकर महन्त देवेन्द्र दास से मुलाकात कर उन्हें झण्डा मेले तथा नव संवतसर की शुभकामनाएं दी।

महानगर कांग्रेसजनों ने महन्त देवेन्द्र दास से विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए उन्हें झण्डा मेला शांति पूर्वक सम्पन्न होने तथा नव संवत्सर की बधाई दी। मुलाकात करने वालों में पूर्व विधायक राजकुमार, सोमदेव शर्मा, अशोक कोहली, पुनीत कुमार आदि शामिल थे।

साइबर ठगी के मामले में किशोर को हिरासत में लिया

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। फर्जी फेसबुक आइडी के जरिए 90 हजार की धोखधड़ी करने वाले आरोपी किशोर को पुलिस ने कल देर रात राजस्थान से हिरासत में ले लिया गया है। जानकारी के अनुसार बीते वर्ष अप्रैल माह में आर.के. राजेश्वरी द्वारा कोतवाली पिथौरागढ़ में तहरीर देकर बताया गया था कि किसी व्यक्ति ने फर्जी फेसबुक आई.डी. के जरिये उनसे 90 हजार रूपये की धोखाधड़ी की गयी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी ठग की तलाश शुरू कर दी गयी। ठग की तलाश में लगी पुलिस टीम को साइबर सैल की मदद से पता चला कि आरोपी की लोकेशन मेवात राजस्थान में है। जिसे पुलिस द्वारा कल देर रात हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी किशोर है जिस पर पुलिस वैधानिक कार्यवाही कर रही है।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार किद्दूवाला निवासी रोहित कुमार ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह राजपूर कम्प्लैक्स में किसी काम से गया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल पार्किंग में खडी कर दी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने मंसा देवी फाटक के पास दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपन नाम सुच्चा सिंह पुत्र पूरण सिंह व सज्जन उर्फ बिल्लू पुत्र पठान सिंह दोनों निवासी गुमानीवाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

डॉक्टरों की तैनाती को लेकर प्रदर्शन

चम्पावत (आरएनएस)। उपजिला चिकित्सालय में स्त्री और हड्डी रोग विशेषज्ञ की मांग को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक को ज्ञापन देकर कहा कि अगर जल्द डॉक्टरों की तैनाती नहीं हुई तो वह धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। गुरुवार को पालिका सभासद राजकिशोर साह के नेतृत्व में लोगों ने उपजिला चिकित्सालय में प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अस्पाताल में स्त्री और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है। जिससे मरीजों को बाहर के अस्पताल में दौड़ लगानी पड़ रही है। लोगों ने बताया कि विधानसभा का सबसे बड़ा अस्पताल होने के बाद भी कई पद अस्पताल में रिक्त पड़े हैं। इसके अलावा क्षेत्र की जनता एक मात्र सरकारी अस्पताल के भरोसे बैठी हुई है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं होता है तो वह अस्पताल में धरने पर बैठ जाएंगे। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जुनैद कमर ने बताया कि रिक्त पड़े पदों के लिए लगातार पत्राचार किया जा रहा है।

युवा कांग्रेस ने फूंका स्वास्थ्य सचिव का पुतला

विशेष संवाददाता

देहरादून। युवा कांग्रेस उत्तराखंड प्रदेश महामंत्री आयुष सेमवाल के नेतृत्व में आज कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा स्वास्थ्य सचिव अमित पाण्डेय का पुतला दहन किया गया।

इस दौरान उन्होने कहा कि जिस प्रकार अमित पांडे द्वारा ओपीडी में बैठी दून अस्पताल की डॉक्टर निधि उनियाल को अपनी पत्नी के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए अपने घर बुलाया गया एवं निधि उनियाल के साथ दुर्व्यवहार किया गया एवं द्वेष की भावना से निधि उनियाल का ट्रांसफर अल्मोड़ा कर दिया गया वह गलत परम्परा को जन्म दे रहा है।

उन्होने कहा कि जहां एक तरफ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा प्रदेश में चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ बेटी भगाओ के पथ पर यहां की अफसरसाही चल रही है। उन्होने कहा कि इससे पूर्व

पंकज पांडे का नाम एनएच घोटाले में भी आया था. इसके विरोध में आज युवा कांग्रेस द्वारा स्वास्थ्य सचिव का पुतला दहन किया गया एवं मांग की गई कि तुरंत पंकज पांडे को निष्कासित किया जाए.अन्यथा युवा कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होगा

कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री आयुष सेमवाल, प्रदेश प्रवक्ता संदीप कुमार, अजय रावत, शिवम कुमार, हरेंद्र बेदी अभय कत्युरा. सोवत राणा. रविंद्र. सुनील सिंह आदि मौजूद रहे।

मारपीट में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरस्वती विहार निवासी महिला ने विकासनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाले निशांत व उसकी पत्नी अनामिका उनके घर में घुस आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उसने उनका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पहुचे तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एनडीपीएस एक्ट में वांछित चल रहा आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। एनडीपीएस एक्ट में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने कल देर शाम बदायू से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते वर्ष रामनगर कोतवाली पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट मामले में कार्यवाही करते हुए कुछ लोगों को पकड़ा गया था। इस मामले में एक आरोपी वीर सिंह उर्फ अनुज पुत्र धीरपाल निवासी फरार चल रहा था। जिसकी तलाश में पुलिस लगातार प्रयासरत थी। जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कल देर शाम बदायू से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अप्रैल फुल ? जाने कहां गये वो दिन

संवाददाता

देहरादून। पहली अप्रैल का पहले सभी को इंतजार रहता था तथा बच्चे सुबह से ही एक दूसरे को अप्रैल फुल बनाने की तैयारी में लग जाते थे। लेकिन वर्तमान में आज का बचपन मोबाइल, इंटरनेट की दुनिया में ऐसा खो गया है कि उसको पता ही नहीं कि अप्रैल फुल भी कोई त्यौहार होता है। जिससे आपसी भाईचारा भी बढता है और इस दिन हंसना जरूरी होता है।

फिल्म अप्रैंल फुल का यह गाना ''अप्रैल फुल बनाया तुम को गुस्सा आया हमारा क्या कसूर यह जमाने का कसूर जिसने दस्तूर बनाया'' हमें अपने पुराने दिनो की याद दिलाते हैं जब युवा व बच्चा दोनों की पहली अप्रैल का बेसब्री से इंतजार करते थे तथा सुबह उठते ही एक दूसरे को बेवकूफ बनाने की योजनाएं बनाते व उसको अंजाम देते थे। होली, दिवाली की तरह बच्चों को पहली अप्रैल का भी इंतजार रहता था इसको भी वह एक त्यौहार ही समझते थे। इस दिन भी कोई किसी की बात का बुरा नहीं मानते थे बच्चों के साथ बडे बुढे भी इस हंसी ठिठोली में हिस्सा लेते थे और जमकर इसका लुत्फ उठाते थे। कोई सडक पर रूपया फेंक कर दूसरे का मजाक उडाता था, एक दूसरे के घर पर फोन कर परेशान किया जाता था लेकिन जब पता चलता था कि पहली अप्रैल है तो कोई बुरा नहीं मानता था तथा मजाक का पात्र बना व्यक्ति भी आनंद लेता था। समय गुजरता गया और यह परम्परा खत्म होती चली गयी। आज का बचपन मोबाइल फोन, इंटरनेट की दुनिया में ऐसा खो गया है कि उसको पता ही नहीं चलता कि कौन सा दिन आया और कौन सा दिन चला गया वह अपनी ही दुनिया में खो सा गया है। होली, दिवाली भी इस लिए याद रहते हैं कि अभी तक पुराने लोग इस परम्परा को जीवित रखे हुए हैं। लेकिन पहली अप्रैल को तो जैसे सभी लोग भुल गये हैं। पहले रेडियों का जमाना था तो पहली अप्रैल को सुबह ही रेडियों पर गाना सुनायी दे जाता था अप्रैल फुल बनाया तुमको गुस्सा आया तो जो लोग भूल भी जाते थे उनको एक दम याद आ जाता था कि आज पहली अप्रैल है। यह दस्तूर चाहे जिसने भी बनाया होगा लेकिन था बहुत ही अच्छा व प्यारा। इस दिन लोग खुलकर हंस तो जाते थे तथा एक दूसरे का मजाक उडाने में मजा आता था तथा कोई इस बात पर नाराज भी नहीं होता था कि उसने मेरा मजाक उडाया। अगर कोई हल्का फुल्का नाराज भी हो जाता था तो दूसरे उसको समझा देते थे कि क्या हुआ आज पहली अप्रैल है जिसके बाद वह भी मान जाता था तथा स्वंय ही अपने आप हंस देता था। यह होती थी पहली अप्रैल। लेकिन अब यह सब गुजरे जमाने की बात हो गयी है। अब ना तो वह बचपन रह गया और ना वह बच्चे। पहले बच्चों पर पढाई का भी इतना बोझ नहीं होता था। कम्पीटिशन का जमाना आ गया है तो बच्चे उसी में लग गये तो उनको कहां से हंसी मजाक याद रहेगा। वही दूसरी ओर आज वह लोग भी नहीं रह गये जो अपनी मजाक उडने पर स्वंय भी हंस देते थे अब अगर मजाक किया तो मारपीट तक की नौबत आ जाती है। लेकिन फिर भी वह दिन कुछ ओर थे जो भुलाये नहीं भूल सकते। जिनकी यादें आज भी जहन में है।

बिहार: मौतें खबर नहीं

बिहार में रहस्यमय मौतें हुई हैं। तो इस प्रकरण में ये अहम सवाल उठा है कि प्रशासन आखिर पीड़ित परिवारों की राय क्यों नहीं स्वीकार करना चाहता? या फिर वह बीमारी का नाम क्यों नहीं बताता? आखिर मौतें तो हुई हैँ। इसके लिए आखिर किसी की तो जवाबदेही होगी? बिहार में होली के बाद से कई जिलों में रहस्यमय मौतें हुई हैँ। इन मौतों की खबर भागलपुर, बांका, मधेपुरा, बक्सर, सिवान से शेखपुरा से मिली हैँ। आखिरी खबर मिलने तक 40 लोगों की मौत हो चुकी थी। बताया जाता है कि कई लोगों की आंखों की रोशनी भी चली गई है। गंभीर अवस्था में ऐसे लोगों का विभिन्न निजी और सरकारी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कुछ खबरों में कहा गया है कि इन मौतों की वजह जहरीली शराब है। इनके मुताबिक पीड़ित परिजन दबी जुबान से इस बात को स्वीकार करते हैं, लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई के डर से वे साफ तौर पर कुछ नहीं कहते। बताया जाता है कि मृत अधिकतर लोगों को पेट दर्द, सांस लेने में परेशानी, उल्टी और सिर में चक्कर आने की शिकायत हुई। फिर तबीयत बिगड़ी। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पहले तो प्रशासन मौत के कारण को लेकर कुछ भी कहने से बचता रहा। लेकिन बाद में बिहार सरकार की ओर से दावा किया गया कि इन लोगों की मौत बीमारी की वजह से हुई है। इसका आधार स्थानीय प्रशासन की रिपोर्ट को बताया गया। लेकिन इससे मामला और रहस्यमय हो गया है। जहां लोग इन मौतों के पीछे की वजह जहरीली शराब का सेवन बता रहे हैं, वहीं स्थानीय प्रशासन अपनी जांच रिपोर्ट में इसकी वजह बीमारी बता रहा है। मसलन, बांका के डीएम और एसएसपी ने अपनी साझा रिपोर्ट में कहा है कि जांच के क्रम में टीम सभी मृतकों के घर गई। एक-एक कर सभी के परिजनों का बयान लिया गया। सभी के परिवार वालों ने मौत की वजह बीमारी बताई। चूंकि बिना पोस्टमार्टम कराए सभी का अंतिम संस्कार कर दिया गया था, इसलिए जहरीली शराब से मौत की पुष्टि नहीं की जा सकी। बिहार सरकार शराबबंदी की अपनी नीति पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है। यह सच है कि शराबबंदी से महिलाओं को सुकून मिला था। इससे उन्हें अपनी जिंदगी में बदलाव आता दिख रहा था। लेकिन बाद में किसी न किसी रूप में शराब की उपलब्ध होने लगी। उससे समस्या और गहरा गई। ताजा प्रकरण के सिलसिले में सवाल है कि प्रशासन आखिर पीड़ित परिवारों की राय क्यों नहीं स्वीकार करना चाहता? या फिर वह बीमारी का नाम क्यों नहीं बताता? आखिर मौतें तो हुई हैँ। इसके लिए आखिर किसी की तो जवाबदेही होगी? (आरएनएस)

राजनीति में हिंसा रुके

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की हत्या के बाद जिस तरह से आठ लोगों को जिंदा जलाकर मार डाला गया, उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सभी दोषियों को सजा दिलाने की बात कही है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि इसमें केंद्र, राज्य सरकार की हर तरह से मदद करने को तैयार है। इसके साथ मोदी ने राज्य के लोगों से ऐसी हिंसक घटनाओं को बढ़ावा देने वाले लोगों को कभी माफ न करने की अपील की। प्रधानमंत्री के बयान को आधार बनाएं तो ऐसी घटना के बाद जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से ऐसे ही संयत और गंभीर रुख की अपेक्षा की जाती है। राज्य में इस घटना को लेकर जिस तरह से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनकड़ आमने-सामने नजर आए और दोनों में तीखी बयानबाजी हुई, वह वाकई निराशाजनक है। मुख्यमंत्री ने घटना की निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए भी इसके पीछे राज्य को बदनाम करने की संभावित साजिश का जिक्र कर दिया। ऐसे बयान उन आशंकाओं को मजबूती देते हैं कि कहीं जांच प्रक्रिया को खास दिशा देने की कोई मंशा तो काम नहीं कर रही। बहरहाल, बीरभूम की घटना पश्चिम बंगाल के लिए न तो नई है और न ही आश्चर्यजनक। संगठित हिंसा यहां की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा काफी पहले से बनी हुई है। तीन दशकों से ऊपर के लेफ्ट शासन के दौरान यहां राजनीतिक और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में सीपीएम कार्यकर्ताओं का वर्चस्व स्थापित हो चुका था। अपने लिए स्पेस बनाने की विरोधी पार्टियों की कोशिशों से उस दौरान प्राय: हिंसक तरीकों से ही निपटा जाता था। ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने लेफ्ट पार्टियों के वर्चस्व को तो खत्म किया, लेकिन राजनीति की इस शैली को बदलने का कोई खास प्रयास भी उसकी तरफ से होता नहीं दिखा। नतीजा यह कि जिस 'सिंडिकेट कल्चर' को कोसते हुए तृणमूल सत्ता में आई, वह और व्यापक हुआ। इसी का नतीजा है कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी होने के बावजूद जब तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की हत्या होती है तो उसके शोक संतप्त समर्थक भी इंसाफ के लिए पुलिस और प्रशासन का मुंह देखने के बजाय खुद कानून हाथ में लेकर संदिग्धों को तत्काल सजा देने का अभियान शुरू कर देते हैं।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

इन लोगों को भूल से भी नहीं पीना चाहिए दूध

दूध पीना सभी को पसंद होता है और यह सेहत के लिए बहुत जरूरी है। जी दरअसल यह कैल्शियम, प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन ए, डी, ई आदि पोषक तत्वों से भरपूर होता है, और यह हड्डियों, दांतों को मजबूत बनाने का काम करता है। कहते हैं बच्चों से लेकर बजुर्गों तक को प्रतिदिन एक गिलास दूध का सेवन जरूर करना चाहिए। हालाँकि आयुर्वेद के अनुसार, कुछ शारीरिक समस्याएं होने पर दूध पीना सही नहीं माना गया है। अब आज हम आपको उन्ही के बारे में बताने जा रहे हैं।

किन लोगों को दूध नहीं पीना चाहिए- जी दरअसल सार्थक आयुर्वेदालय एवं पंचकर्मा केंद्र (मथुरा) के पंचकर्मा विशेषज्ञ और आयुर्वेदाचार्य डॉ। अंकुर अग्रवाल कहते हैं कि जिन लोगों को कफ वाली खांसी, सर्दी-जुकाम, त्वचा संबंधित समस्या, खुजली, वजन बढ़ रहा हो, नाक, कान और गले में खुजली की समस्या से परेशान हों, ऐसे लोगों को दूध का सेवन नहीं करना चाहिए।

दरअसल इन समस्याओं से ग्रस्त लोग सिर्फ गर्मी में रात में सोते समय दूध पी सकते हैं बाकी मौसम में रात के समय दूध से परहेज करना चाहिए। वहीं अगर आपको सूखी खांसी हो, तो आप दूध पी सकते हैं, लेकिन खांसने पर बलगम आए तो दूध नहीं पीना चाहिए। वहीं देर रात भोजन करना और सोने से पहले दूध पी लेना सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता है क्योंकि इससे शिरो गत रोग हो सकता है।

दूध पीने का सही समय क्या है-खाना खाते ही कुछ देर बाद बिना भूख लगे ही दूध पीने से बचें, क्योंकि इससे दूध सही से नहीं पचेगा। इसके अलावा कभी भी भोजन करने के साथ-साथ दूध नहीं पीना चाहिए क्योंकि इससे त्वचा संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।(आरएनएस)

आस्था ने टॉयलेट में करवाया फोटोशूट तो बोले यूजर्स- 'टॉयलेट तो छोड़ देते..'

सिंगर आस्था गिल अपने गानों से फैंस के मध्य हमेशा ही सुर्ख़ियों में बनी रहती है. सोशल मीडिया पर भी आस्था सक्रीय रहती हैं. हाल ही में आस्था गिल ने अपने ऑफीशियल इंस्टा अकाउंट से अपनी एक तस्वीर साझा की है. ये फोटो उन्होंने टॉयलेट में खिंचवाई है. बकायदा उन्होंने कमॉड सीट पर बैठकर बोस्ड पोज देते हुए अपनी फोटोज क्लिक कराई है. फोटो में आस्था गिल ब्लू कलर की ड्रेस में दिखाई दे रही है. इस फोटो को देख कर तमाम लोग रिएक्ट करते हुए भी दे रहे है. आस्था की इस तस्वीर पर ढेरों रिएक्शन आने लगे. आस्था गिल की तस्वीर देख कर कई लोग बोलते हुए नज़र आ रहे है कि वह अपनी हंसी रोक नहीं पा रहे.

ब्लू शॉर्ट जैकिट विद मिनी स्कर्ट में ऐसे कमॉड पर बैठे देख यूजर्स आस्था गिल का मज़ाक बना रहे है, कई लोग सिंगर का मजाक उड़ाते दिखे तो किसी ने आस्था को गुस्सा करके भी दिखा दिया है. तमाम कमेंट्स के बीच एक यूजर ने लिखा- 'अरे कम से कम टॉयलेट तो छोड़ देते.' एक ने कहा- कमाल है कहीं भी शुरू हो जाते हैं. तो किसी ने हंसते हुए कहा- ये परफेक्ट क्लिक है. मैं भी ट्रॉय करूंगा. एक यूजर ने कहा- गजब हो आप. तो किसी ने गुस्सा दिखाया- यार क्या हरकत है ये?

ख़बरों की माने तो आस्था गिल मल्टी टैलेंटेड हैं सिंगिंग और डांस के साथ साथ वह एक्शन के केस में भी पीछे नहीं हैं. अपने हर गाने को हिट कराने वालीं आस्था गिल कलर्स टीवी के एडवेंचर्स रियलिटी शो खतरों के खतरों के खिलाडी सीजन 11 में भी दिखाई दे चुकी है. इस शो में रैपर आस्था एक मजबूत कंटेस्टेंट बनकर उभरी थीं. हालांकि वह इस शो को जीत नहीं पाई थीं और जल्दी एलीमिनेट हो गई थीं. आस्था गिल ने अब तक तमाम हिट नंबर्स दिए हैं. बादशाह के साथ उनके कई गाने हिट साबित हुए हैं. आस्था गिल ने 'डीजे वाले बाबू', 'नागिन' 'कमरिया' , 'दिलबर-दिलबर' 'सैटर्डे-सैटर्डे' जैसे तमाम हिट गाने गाए हैं.(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 82

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

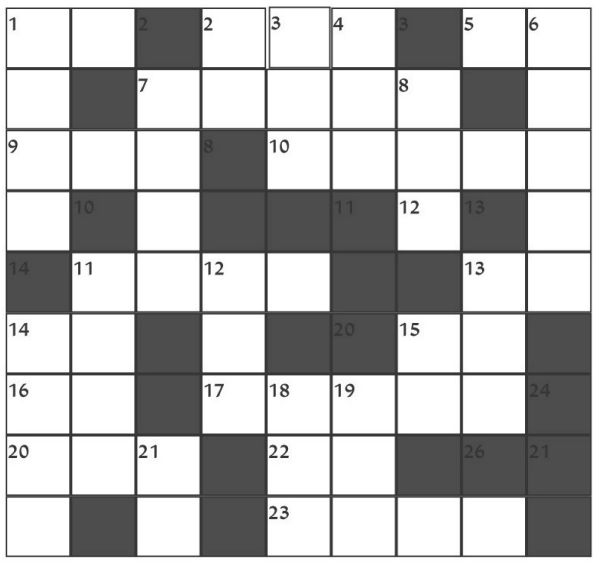

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 81 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	रं	■	■	मि	
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	य	■	
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

मिलाप जावेरी ने सत्यमेव जयते 2 की शूटिंग का अनुभव साझा किया

सत्यमेव जयते 2 के निर्देशक मिलाप जावेरी ने अपनी निर्देशित फिल्म के विश्व टेलीविजन प्रीमियर पर फिल्म को लेकर बात की है। वह सह-अभिनेताओं के साथ शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए विशेष रूप से जॉन अब्राहम की प्रशंसा करते हैं।

2018 सत्यमेव जयते के सीक्वल, जॉन अब्राहम-स्टारर सत्यमेव जयते 2 में दिव्या खोसला कुमार, नोरा फतेही, राजीव पिल्लई और अनूप सोनी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

मिलाप जावेरी शूटिंग के अनुभव के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि यह एक बहुत ही रोमांचक लेकिन साहसी फिल्मांकन अनुभव था क्योंकि हमने फिल्म को कोविड के ठीक बीच में शूट किया था। मुझे कहना होगा कि मैं इसे जॉन अब्राहम, दिव्या खोसला कुमार और मेंरी टीम के बिना नहीं कर सकता था। उनके समर्पण और जुनून ने इसे संभव बनाया। जॉन के साथ ट्रिपल रोल की शूटिंग करना अद्भुत था, हालांकि यह उनके लिए बहुत थका देने वाला सफर था।

उन्होंने इसे अपना सब कुछ दिया। मैं उनके साथ मजाक करता था कि यदि सत्या (जॉन के पात्रों में से एक) थक गया है तो मैं उसे जल्दी उठाऊंगा और जय (जॉन का दूसरा चरित्र) के साथ शूट करूंगा! या अगर जय और सत्य दोनों थके हुए हैं मैं दादासाब (जॉन का तीसरा किरदार) के साथ शूट करूंगा!

निर्देशक फिल्म के विश्व टेलीविजन प्रीमियर को लेकर उत्साहित हैं। वह आगे कहते हैं, मुझे विश्वास है कि चैनल के वफादार दर्शक जो व्यावसायिक मनोरंजन का आनंद लेते हैं, वे बड़ी संख्या में फिल्म देखने के लिए तैयार होंगे। मैं चाहता हूं कि दर्शक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के बारे में इस देशभक्ति और शक्तिशाली कहानी का आनंद लें। संवाद , फिल्म का एक्शन और संगीत निश्चित रूप से उनके घरों में आराम से उनका मनोरंजन करेगा।

सत्यमेव जयते 2 पुलिस से लेकर राजनेताओं, उद्योगपतियों और यहां तक कि आम लोगों तक समाज में फैले भ्रष्टाचार और गलत काम करने वालों के विषय से संबंधित है। जॉन अब्राहम एक अपराधी, एक पुलिस अधिकारी और एक पिता की ट्रिपल भूमिका में नजर आ रहे हैं।

सत्यमेव जयते 2 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 27 मार्च को सोनी मैक्स पर होगा।

जॉन के साथ काम करना बेहद आरामदायक और मजेदार रहा:जैकलीन

हाउसफुल 2, रेस 2 और ढिशूम के बाद जॉन अब्राहम और जैकलीन फर्नांडीज आने वाली फिल्म अटैक में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। अभिनेत्री का कहना है कि फिल्म की कहानी बेहद मजबूत है और एक्शन स्टार के साथ फिर से काम करना बेहद आरामदायक और मजेदार रहा।

फिल्म जॉन अब्राहम द्वारा निभाई गई भारत के पहले सुपर सैनिक के बारे में है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्य राज आनंद ने किया है।

इसमें रकुल प्रीत सिंह भी हैं। अटैक (भाग 1) कोई साधारण एक्शन फिल्म नहीं है, यह एक जटिल नाटक और एक प्रश्न चिह्न के साथ एक कथा दिखाती है कि भविष्य में भारत आतंकवाद से कैसे निपटता है।

एक बार फिर जॉन के साथ काम करने और केमिस्ट्री के बारे में बात करते हुए, जैकलीन ने कहा कि जॉन के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है, मैं वास्तव में फिल्म के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रही हूं। यह एक दिलचस्प और बेहद मजबूत कहानी है।

अटैक (भाग 1) में प्रकाश राज, रत्ना पाठक शाह भी हैं।

फिल्म 1 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

दसवीं का गाना मचा मचा हुआ रिलीज

आगामी फिल्म दसवीं का नया गीत मचा मचा रिलीज किया गया। मचा मचा में अभिषेक काफी मसाला मूड में दिखाई दे रहे है। यह गीत पूरी तरह से फिल्म के मनोरंजक वाइब को कैप्चर करता है, जिसमें अभिनेता अपनी सिग्नेचर मूंछों को शाही स्वैग में घुमाते भी दिखाई दे रहे हैं।

फिल्म एक अनपढ़, भ्रष्ट (भ्रष्ट) और बॉम्बबास्टिक नेता (नेता) की कहानी बताती है, जो जेल में कैद रहते हुए शिक्षा के जादू की खोज करता है।

जो चीज मचा मचा को और भी मजेदार बनाती है, वह है अनोखे देसी स्वाद वाला फंकी रैप। सचिन-जिगर द्वारा रचित इस गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। मेलो डी के रैप के साथ मीका सिंह, दिव्या कुमार और सचिन-जिगर ने गाने को अपनी आवाज दी है।

जियो स्टूडियोज और दिनेश विजन दसवीं पेश करते हैं।

दिनेश विजान और बेक माई केक फिल्म्स द्वारा निर्मित अभिषेक बच्चन, यामी गौतम और निम्रत कौर अभिनीत, तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित एक मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन, 7 अप्रैल से जियो सिनेमा और नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग होगी।(आरएनएस)

दिव्यांका त्रिपाठी ने किया अपनी पहली फिल्म का ऐलान

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी छोटे पर्दे पर किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उनकी लोकप्रियता प्रशंसकों के सिर चढ़कर बोलती है। सोशल मीडिया पर भी दिव्यांका की तगड़ी फैन फॉलोइंग है और अपने प्रशंसकों को खुश करने के लिए वह उनसे चिट-चैट भी करती रहती हैं। अब जो खबर आ रही है, उससे दिव्यांका के प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, उन्होंने पहली फिल्म की घोषणा कर दी है।

दिव्यांका ने इंस्टाग्राम पर अपनी पहली फिल्म का ऐलान कर दिया है। उनकी इस फिल्म का नाम है जीना अभी बाकी है। उन्होंने फिल्म का पहला पोस्टर साझा करते हुए लिखा, यह फिल्म बस कुछ महिलाओं की कहानी भर नहीं है। ये एक अलग ही कॉन्सेप्ट दर्शकों के बीच लेकर आने वाली है। दिव्यांका ने यह भी बताया कि यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म बिगबैंग पर रिलीज होगी। उनकी फिल्म का यह पोस्टर फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

यह एक महिला केंद्रित फिल्म है, जिसमें दिव्यांका के अलावा कुछ और अभिनेत्रियां भी काम कर रही हैं, जो इसके पोस्टर में दिख रही हैं। फिल्म में अनुप्रिया गोयनका, मधुरिमा तुली, प्रिया मलिक और राशा किरमानी भी अहम भूमिका में हैं। दिव्यांका के पति विवेक दहिया भी इसका हिस्सा हैं। ये हैं मोहब्बतें के बाद विवेक और दिव्यांका की जोड़ी फिर दिखने वाली है। पोस्टर में सितारों का पेंटेड वर्जन दिखाया गया है, जो अलग-अलग दिशाओं में देख रहे हैं।

इस फिल्म का निर्देशन वरुण प्रभुदयाल गुप्ता करने वाले हैं और वरुण ने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म जीना अभी बाकी है को बॉलीवुड के लोकप्रिय निर्देशक इम्तियाज अली पेश करने वाले हैं, वहीं इसके संगीत की जिम्मेदारी सोनू निगम को सौंपी गई है। दिव्यांका ने कैप्शन में उनके प्रति भी आभार व्यक्त किया है। दिव्यांका को फैंस उनकी फिल्म के लिए बधाई दे रहे हैं। वे इसकी रिलीज डेट और कहानी जानने को बेहद उत्सुक हैं।

दिव्यांका ने एकता कपूर की वेब सीरीज कोल्ड लस्सी और चिकन मसाला से डिजिटल जगत में पहले ही कदम रख लिया था। प्रदीप सरकार के निर्देशन में बनी यह सीरीज 3 सितंबर, 2019 में रिलीज हुई थी। इसमें दिव्यांका एक शेफ की भूमिका में थीं। टेलीविजन जगत की कई अभिनेत्रियों ने कड़ी मेहनत के बाद सफलता हासिल की है और आज वो टेलीविजन का एक बड़ा नाम है। इन्हीं में एक हैं दिव्यांका त्रिपाठी, जिन्होंने अपने दम पर अपनी पहचान बनाई है। 2006 में बनूं मैं तेरी दुल्हन से दिव्यांका ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा, लेकिन वह एकता कपूर के धारावाहिक ये हैं मोहब्बतें में इशिता बनकर सबसे ज्यादा लोकप्रिय हुईं। दिव्यांका डांस शो नच बलिए 8 की विनर भी रह चुकी हैं। (आरएनएस)

रिलीज़ हुआ हिमेश और यूलिया वंतूर का नया गाना डिज़ाइनर लहंगा हुआ रिलीज़

हिमेश रेशमिया के म्यूजिक लेबल, हिमेश रेशमिया मेलोडीज ने लॉन्च होने के उपरांत से बहुत ही कम समय में एक के बाद एक 43 सुपरहिट गाने भी दे चुके है। उनके गानों को यूट्यूब पर 2.7 बिलियन से ज्यादा बार देखा भी जा चुका है, उनके अपने चैनल पर 1.3 बिलियन से अधिक बार देखा गया है और उनके 1.4 बिलियन ऑडियो स्ट्रीम हुए हैं जो निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है! इन एल्बम के सभी गानों को रॉकस्टार हिमेश ने खुद कंपोज किया है और अब, उन्होंने डिजाइनर लहंगा नामक गाने के साथ एक बार फिर अपनी काबिलियत को सबके सामने पेश किया है और यह उनका 44वां गाना होने वाला है, जिसे यूलिया वंतूर ने अपनी आवाज़ से सजाया है।

यह गीत एथनिक धुनों के साथ एक क्रियात्मक ट्रैक है और निश्चित रूप से इसे वर्ष का अगला वेडिंग एंथम होने वाला है! इस ट्रैक का विजुअल और प्यारे बोल आपको अपनी रस्टिक धुन और क्लासिक मेलोडी के साथ प्यार और रोमांस की खूबसूरत यात्रा पर लेकर जाने वाले है। हिमेश ने इससे पहले यूलिया वंतूर के साथ उनके एल्बम आप से मौसिकी के पहले गीत एवरी नाइट एंड डे पर काम किया था जो हिंदी और अंग्रेजी गीतों का फ्यूजन भी कहा जा रहा है। हिमेश रेशमिया इस बारें में बोला है कि, मुझे बहुत खुशी है कि हमारे पहले 43 गानों को हमारे अपने चैनल पर जबरदस्त व्यूज भी हासिल हो चुके है और रीलों पर भी खूब वायरल होने लगा है। मेरे एल्बम सुरूर 2021 के मेरे गाने तेरे प्यार में के 2.7 मिलियन से अधिक रील बनाने जा चुके है, पूरे यूट्यूब पर 1 बिलियन से अधिक बार देखा गया है और हमारे चैनल हिमेश रेशमिया मेलोडीज़ पर 307 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। अपने खुद के लेबल पर अपनी रचनाओं के लिए इतने सारे कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव बेहद ही शानदार है।

कश्मीर फाइल्स ने छुआ 200 करोड़ का आंकड़ा

पिछले दो सप्ताह से बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला रही विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने बॉक्स ऑफिस पर 13वें दिन 200 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया। बुधवार को इस फिल्म ने 10.03 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की। इस आंकड़े के साथ ही इस फिल्म ने कोविड-19 के दौर में प्रदर्शित हुई अक्षय कुमार की सूर्यवंशी के लाइफ टाइम कारोबार को पीछे छोडने में सफलता प्राप्त कर ली। आने वाले दिनों में उम्मीद है कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक नया इतिहास रचेगी। फिल्म की लगातार बढ़ती कमाई निर्माताओं कि झोली भरने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। आने वाले दिनों में भी सभी की निगाहें फिल्म की कमाई पर टिकी रहेंगी। हालांकि आज बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की स्क्रीन्स संख्या में जबरदस्त कटौती होगी, क्योंकि आज देश भर में एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर का प्रदर्शन होने जा रहा है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में भारी उत्साह है।

अनुपम खेर और मिथुन चक्रवर्ती स्टारर फिल्म द कश्मीर फाइल्स की कमाई में सोमवार के दिन 50 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी। इसके बाद भी फिल्म ने सोमवार के दिन 12.40 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म ने मंगलवार के दिन 10.25 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं फिल्म के बुधवार के आंकड़े भी चौंकाने रहे। बीते दिन फिल्म 10.03 करोड़ रुपये कमाने में कामयाब रही। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 13 दिनों के अंदर 200.13 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

ट्रेड एक्सपर्ट्स के मुताबिक पहले तीसरे वीकेंड तक खत्म होते-होते 250 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी। इस फिल्म के प्रदर्शन के एक सप्ताह बाद अक्षय कुमार की बच्चन पांडे प्रदर्शित हुई थी लेकिन द कश्मीर फाइल्स के सामने वह पानी भी न मांग सकी। 150 करोड़ की लागत में बनी बच्चन पांडे ने एक सप्ताह में सिर्फ 50 करोड़ का कारोबार किया, जबकि अपने दूसरे सप्ताह 18 से 24 मार्च के दौरान कश्मीर फाइल्स ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की। अपने दूसरे सप्ताह के शुक्रवार को इस फिल्म ने 19.15 करोड़, शनिवार को 24.80 करोड़, रविवार को 26.20 करोड़, सोमवार को 12.40 करोड़, मंगलवार को 10.25 करोड़, बुधवार को 10.03 करोड़ का कारोबार करते हुए छह दिन में कुल मिला कर 102.83 करोड़ रुपये एकत्रित किए।

हालांकि अक्षय कुमार स्टारर बच्चन पांडे द कश्मीर फाइल्स के आगे पानी मांग गई। फिल्म से लोगों को काफी उम्मीदें थीं लेकिन इसकी कमाई ने निर्माताओं को काफी निराश किया। रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया है कि हिंदी बेल्ट पर द कश्मीर फाइल्स से एसएस राजामौली की आरआरआर भी प्रभावित हो सकती है।

एक्शन मोड में क्यों दिखने लगे- शिवराज, कमल और कैलाश

अरुण पटेल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इन दिनों पूरी तरह से एक्शन मोड में हैं और सतपुड़ा सुंदरी पचमढ़ी की सुरम्य वादियों में दो दिन अपने मंत्रि-मंडलीय सहयोगियों के साथ चिंतन कर 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए एक ऐसा मंत्र तलाशेंगे जिसके सहारे प्रदेश फिर से भाजपा के अजेय गढ़ में तब्दील हो जाए जो कि 2018 में मामूली अन्तर से ढह गया था। पचमढ़ी में चिंतन-मनन के बाद निश्चित तौर पर शिवराज कुछ और नवाचार करेंगे तथा इस बार उनका सारा ध्यान इस बात पर रहेगा कि हरिजनों, आदिवासियों, महिलाओं व समाज के कमजोर वर्गों सहित जिस भी वर्ग के लिए योजनायें बनाई जा रही हैं उनका क्रियान्वयन धरातल पर हो और इसमें किसी भी तरह की कोताही वे सहन करने वाले नहीं है। मंथन के बाद शिवराज एक ऐसे रुप में नजर आयेंगे जो माफियाओं, अपराधियों, निहित स्वार्थी तत्वों पर कहर बनकर टूटेंगे और इसमें आड़े आने वाली नौकरशाही को भी सहन नहीं करेंगे। अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर अपने नागरिक अभिनंदन के अवसर पर उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि राज्य शासन के ऊपर कोई दबंग नहीं जा सकता और उसे कुचल देंगे। अपनी तथा कमलनाथ की कांग्रेस सरकार का अन्तर स्पष्ट करते हुए शिवराज का कहना है कि हमारी सरकार मिशन की सरकार है और कमलनाथ की सरकार कमीशन की सरकार थी। दिग्विजय सिंह के कार्यकाल की चर्चा करते हुए बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि एक जमाना था जब सड़क में गड्ढा था या गड्ढे में सड़क समझ में ही नहीं आता था, बिजली आती ही नहीं थी यह आम बाती थी, आज दो घंटे के लिए बिजली चली जाए तो वह बड़ी खबर बन जाती है। कमलनाथ दादा तो पैसे छोड़कर ही नहीं गये थे लेकिन चाह होती है वहां राह निकालनी पड़ती है और हमने गरीबों को सुविधा देने में पैसों की कमी नहीं आने दी।

शिवराज चाहते हैं कि हितग्राहियों का एक ऐसा वर्ग बने जो यह महसूस करे कि सरकार उनके लिए काफी कुछ कर रही है और क्रियान्वयन इस ढंग से हो कि लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली जो योजनायें है उससे न केवल वे लाभान्वित हों बल्कि भाजपा के लिए एक मजबूत वोट बैंक भी तैयार हो। राज्य में कांग्रेस एवं भाजपा के बीच मत प्रतिशत का बहुत बारीक-सा अन्तर है और इसी अन्तर को बढ़ाकर भाजपा का मत प्रतिशत किस प्रकार 51 प्रतिशत किया जाए वही इस चिंतन का केंद्रीय बिन्दु होगा। भांजे-भांजियों के मामा के रुप में सामाजिक रिश्ते जोड़ने वाले शिवराज की छवि अब एक सख्त प्रषासक के रुप में उभर रही है तथा मामा से लेकर अब उनकी छवि बुलडोजर मामा की गढ़ी जा रही है, जिसकी शुरुआत राजधानी भोपाल के भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रारंभ कर दी है। शिवराज सिंह चौहान के पुन: मध्यप्रदेश की कमान संभालने के बाद दो साल पूरे हो गये हैं और इसके साथ ही उनके पुराने कार्यकाल को मिलाकर वह भाजपा के सबसे लम्बे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकार्ड बना चुके हैं। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही कोरोना महामारी की चपेट में देश के साथ ही प्रदेश भी आ गया था और यह समय उनके नेतृत्व के लिए परीक्षा की घड़ी था जिसका उन्होंने सफलतापूर्वक सामना किया और ऐसे कोई हालात पैदा नहीं हुए जैसी दुश्वारियां अन्य राज्यों में देखी गयीं। न तो आक्सीजन की कमी हुई और न ही मरीजों में किसी प्रकार की अफरा-तफरी थी। दवाइयां और इंजेक्शन का भी समय रहते प्रबंध किया गया। लेकिन इस अवधि में भी उन्होंने विकास की गति अवरुद्ध नहीं होने दी।

शिवराज सरकार ने पिछले दो वर्षों में 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सहायता किसानों को दी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी के तहत 10 लाख से अधिक आवास बनाये गये। केन-बेतवा लिंक परियोजना जिससे 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर में सिंचाई होगी और अटल प्रगति पथ 313 किलोमीटर की योजनायें स्वीकृत हुईं। ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों के लगभग 9 लाख सदस्यों को आर्थिक गतिविधियों के लिए 2 हजार करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये गये। इसी अवधि में 8 हजार 276 करोड़ रुपये की लागत से 5 हजार 322 किमी लम्बी सड़कों का निर्माण भी हुआ। अपने इस दो साल के कार्यकाल में शिवराज काफी बदले-बदले नजर आ रहे हैं और उन्होंने अपनी छवि एक सख्त प्रशासक की गढ़ ली है और अब जहां एक और नौकरशाही को भी नियंत्रित कर रहे हैं तो वहीं माफियाओं के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति अपना रखी है और उन्हें नेस्तनाबूद करने की दिशा में कदम उठाते हुए 21 हजार एकड़ से अधिक शासकीय भूमि अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई है।

कमलनाथ की नजर में शिवराज के दो साल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ की नजर में शिवराज सरकार के दो वर्षों में प्रदेश विकास की दृष्टि से आगे बढ़ने की बजाय हर दृष्टि से पीछे ही गया है। कमलनाथ का आरोप है कि इस अवधि में किसी वर्ग का भला नहीं हुआ बल्कि हर वर्ग परेशान ही हुआ है। इन दो वर्षों में सिर्फ इवेन्ट आयोजनों के नाम पर जनता को गुमराह करने का काम जमकर हुआ है। उनका आरोप है कि उनकी सरकार के जाते और शिवराज सरकार के आते हमने प्रदेश में कोरोना काल में सरकार का कुप्रबंधन देखा है कि किस प्रकार हजारों लोगों की इलाज, बेड, अस्पताल, आक्सीजन, जीवन रक्षक दवाइयों के अभाव में मौतें हुई हैं। कोरोना के संकटकाल में भी सरकार लोगों को बचाने की बजाय सत्याग्रह पर बैठने, रथ पर सवार होकर घूमने, गोले बनाने जैसे इवेन्ट करती नजर आई है। सबसे ज्यादा परेशान किसान हुआ है और उसे अभी तक अतिवृष्टि व ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का मुआवजा नहीं मिल सका है, और यदि कुछ मिला है तो तो फिर केवल कोरे आश्वासन और भाषण।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि मध्यप्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ही लड़ा जायेगा। पार्टी ने अभी कोई निर्णय नहीं किया है अभी तो उन्हीं का चेहरा है और वे अच्छा काम कर रहे हैं। यूपी में बुलडोजर बाबा के रूप में योगी आदित्यनाथ की ख्याति के बाद शिवराज को बुलडोजर मामा प्रोजेक्ट किए जाने के सवाल पर विजयवर्गीय ने कहा कि मध्यप्रदेश में काफी पहले से बुलडोजर चल रहा है। उनका कहना था कि शिवराज ने लम्बे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकार्ड कायम किया है और आज भी वे लोकप्रिय हैं। बच्चों के बीच मामा के नाम से जाने जाते हैं। उमा भारती और बाबूलाल गौर ने अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में प्रदेश के विकास की नींव रखी थी उसके बाद शिवराज के नेतृत्व में एक बड़ी विकास की इमारत प्रदेश में बनाई गई है। चुनावी राजनीति में वापसी के सवाल पर कैलाश ने दोटूक शब्दों में कहा कि इस मामले में हमारा नेतृत्व फैसला करता है, संगठन का काम करने को कहा गया है वह मैं कर रहा हूं। मैं स्वयं अपने बारे में निर्णय नहीं लेता। राजनीति में जितना आगे बढ़ जाओ उतना ग्लैमर बढ़ता जाता है लेकिन जनप्रतिनिधि के रुप में उनका सबसे अच्छा कार्यकाल तो पार्षद का था क्योंकि वह कार्यकाल आत्मीयता से भरा था। विजयवर्गीय लम्बे समय बाद भोपाल में पत्रकारों से पिट्ठू टूर्नामेंट के आयोजन की जानकारी देने रुबरु हुए थे लेकिन उनसे ज्यादातर सवाल राजनीति पर हुए। उनका कहना था कि पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद विपक्ष पूरी तरह धराशाई हो गया है इसलिए इस राजनीतिक माहौल में अभी सेकेंड या थर्ड फ्रंट बनेगा, इस बारे में कहना जल्दबाजी होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी बड़ी चुनौती नहीं है। छोटा-छोटा कर कम करने से कुछ नहीं होगा क्योंकि 130 करोड की जनसंख्या वाले देश में प्रभाव जमाने के लिए एक बड़े चिंतन की जरुरत है और आम आदमी पार्टी में इसका अभाव नजर आ रहा है।

सू- दोकू क्र. 82

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.81 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

चीन का खेला, इस्लाम की धुरी!

हरिशंकर व्यास

ध्यान करें दुनिया में मुसलमानों की सर्वाधिक कुटाई कहां है? चीन के शिनजियांग प्रांत और उससे पहले रूस के चेचेन्या में! रूस के पुतिन और चीन के शी जिनफिंग का इस्लाम के साथ सलूक और उइगर व रूसी मुसलमानों की दुर्दशा के किस्से बहुत भयावह हैं। यूक्रेन की लड़ाई में भी हल्ला सुनने को मिला है कि चेचेन्या में बेरहमी से मारने वाली यूनिट यूक्रेन में है। एक तरफ यह रियलिटी तो दूसरी तरफ इस्लामी देशों की सालाना बैठक में चीन के विदेश मंत्री खास मेहमान! पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने वैश्विक पैमाने के दो शातिर दांव चले हैं। एक, संयुक्त राष्ट्र में इस्लामाफोबिया पर प्रस्ताव पारित करवाना। दो, इस्लामाबाद में 57 देशों के इस्लमी संगठन ओआईसी के विदेश मंत्रियों की सालाना बैठक में चीन की भागीदारी बनवाना। हिसाब से जो देश शिनजियांग में उइगरों का ब्रेनवॉश कर रहा है उस चीन की ओआईसी में भर्त्सना होनी चाहिए। उसकी बजाय क्या हुआ?

पहली बात जो इमरान खान ने कही- हम फिलस्तीनी और कश्मीर के लोगों के मामले में फेल हुए हैं। मुझे यह कहते हुए दुख होता है कि हम असर नहीं बना पाएज हम बंटे हुए और इस बात को वह (पश्चिमी) महाशक्ति जानती हैज. हम (मुसलमान) डेढ़ अरब लोग हैं लेकिन अन्याय को मिटवाने की हमारी आवाज को सुना नहीं जा रहा है।

इमरान खान ने एक तरह से आह्वान किया कि दुनिया के मुस्लिम देशों एकजुट हो और अपनी धुरी बनाओ और इस पर फिर चीन के विदेश मंत्री ने हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हमने कश्मीर पर कई इस्लामी दोस्तों के आह्वान सुने और चीन दुनिया में बहुध्रुवीय व्यवस्था बनवाने के लिए इस्लामी देशों के साथ है। ओआईसी और चीन का इस तरह साझा बनाना इमरान खान की बड़ी सफलता है तो इस बात का प्रमाण भी कि शीतकालीन ओलंपिक और उससे पहले पुतिन-शी जिनफिंग और इमरान खान की मेल-मुलाकात में पश्चिमी देशों के खिलाफ आगे की नई विश्व व्यवस्था, एकजुटता का कूटनीतिक रोडमैप बना था। तभी शिनजियांग और उइगरों के मुद्दे को चीन ने भूलवा कर इस्लामी देशों की पंचायत में अपना रोल बनाया।

ओआईसी की बैठक के बाद जारी प्रस्ताव में कश्मीर को लेकर भारत की आलोचना हुई। प्रस्ताव में कश्मीर के लोगों की रायशुमारी, मानवाधिकारों के हनन, अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के विरोध के वे तमाम पहलू शामिल हैं, जिन्हें लेकर पाकिस्तान विश्व मंचों पर हल्ला करता रहता है। उइगरों के दमन का जिक्र भी नहीं, जबकि कश्मीर को लेकर प्रस्ताव में कई पैरे।

इसके बाद चीनी विदेश मंत्री काबुल गए और अछूत तालिबानी नेताओं से बात करके उन्हें पटाया। ध्यान रहे पाकिस्तान और चीन लगातार तालिबानी सरकार की मान्यता की कूटनीति कर रहे हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों के अड़े होने के कारण ये सफल नहीं है। पश्चिमी देशों ने तालिबान के साथ उसके पैरोकार पाकिस्तान को भी सुनना बंद कर दिया है। यूक्रेन की लड़ाई के बाद चीन के साथ उसके एक के बाद एक सहयोग से पश्चिमी जमात को समझ आया है कि चीन के वैश्विक मिशन में इस्लामी देशों को गोलबंद करने में पाकिस्तान पुर्जा है। तय मानें चीन की सबसे बडी सामरिक-आर्थिक कॉलोनी मध्य एशिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान का भूभाग होगा, जिसमें पुतिन और इमरान खान उसके कंधे हैं।

राष्ट्रपति शी जिनफिंग और चीन ने मास्को, इस्लामाबाद और काबुल के हब से इस्लामी देशों और यूरेशिया में जो खेला बनाया है उसके जाल में यदि चीन के कहे अनुसार क्षेत्रीय स्थिरता के नाम पर भारत यदि तालिबानी सरकार से लेन-देन बनाता है तो वह आत्मघाती गलती होगी। तब भारत का क्वाड में रहना और न रहना भी बेमतलब बनेगा।

चारधाम यात्रा में व्यवसायिक वाहनों को मिलेगा ग्रीन कार्डः डीजीपी

संवाददाता

देहरादून। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान परिवहन विभाग द्वारा व्यवसायिक वाहनों को ग्रीन कार्ड दिया जायेगा जिसके बाद पुलिस उनके कागजात की जांच नहीं करेगी।

आज यहां अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में आगामी चारधाम यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से एक बैठक आयोजित की गयी। जिसमें तय किया गया कि चारधाम यात्रा पर चलने वाले जिन व्यवसायिक वाहनों को परिवहन विभाग द्वारा ग्रीन कार्ड जारी किया गया है, उनके कागजातों की चेकिंग पुलिस द्वारा नहीं की जाएगी। निजी वाहनों से चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों के वाहनों के कागजात हरिद्वार एवं देहरादून बार्डर पर ही चेक किये जाएंगे। आगे उनकी बार-बार चेकिंग नहीं की जाएगी। बैठक में यह भी तय हुआ है कि चारधाम यात्रा सीजन के दौरान यात्रा रूट पर यातायात व्यवस्था को सुचारु रुप से संचालित किये जाने हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक/निदेशक यातायात मुख्तार मोहसिन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। चारधाम यात्रा रुट पर बोटल नेक चिन्हित्त कर परिवहन एवं लोकनिर्माण विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अधिक से अधिक चेतावनी बोर्ड लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही पर्यटन पुलिस चार-धाम यात्रा के दौरान अहम भूमिका निभायेगी। पुलिसकर्मियों को सॉफ्ट स्किल्स, कम्यूनिकेशन स्किल्स का विशेष प्रशिक्षण कराया जाएगा, जिससे पर्यटन पुलिस अतिथि देवो भव भाव से यात्रियों को सुरक्षा व सुविधा प्रदान करने में सक्षम हो।

यात्रियों की सुविधा के लिए चारों धामों के कपाट खुलने की तिथि, मार्गों की स्थिति, जाम होने पर उसकी रियलटाइम स्थिति उत्तराखण्ड पुलिस की वेबसाइट और सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साझा की जाएगी। यात्रा रूटों पर यातायात सुचारु रुप से संचालित किये जाने हेतु सभी जनपदों के पुलिस उपाधीक्षक यातायात को व्हाट्सएप ग्रुप बनाने हेतु निर्देशित किया, जिसमें समस्त जानकारी साझा की जाए। जल पुलिस को भी अत्याधुनिक आपदा उपकरणों से लैस किया जाएगा। बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस संचार- अमित सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था- वी मुरूगेशन, पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना एवं सुरक्षा- ए पी अंशुमान, पुलिस महानिरीक्षक, फायर- अजय रौतेला, पुलिस उप महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र सहित जनपद प्रभारी देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, सेनानायक एसडीआरएफ व पुलिस उपाधीक्षक यातायात उपस्थित रहे।

रेलवे भूमि पर अतिक्रमण हटाने की तैयारी, 11 अप्रैल तक तैयार होगा एक्शन प्लान

हमारे संवाददाता

हल्द्वानी। रेलवे भूमि पर किये गये अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने अब कार्यवाही की तैयारी शुरू कर दी है। जिलाधिकारी द्वारा बैठक कर रेलवे अधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि वह 11 अप्रैल तक अतिक्रमण के सम्बन्ध में एक्शन प्लान तैयार कर उसे जिला प्रशासन को सौंप दे।

कैंप कार्यलय नैनीताल में जिलाधिकारी धीरज सिंह गर्ब्याल द्वारा रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण के सम्बन्ध में रेल अधिकारियों व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक बैठक की गयी है। बैठक में जिलाधिकारी गर्ब्याल द्वारा रेलवे डीआरएफ राजीव अग्रवाल को निर्देश दिये गये है कि रेलवे प्रशासन 11 अप्रैल तक अतिक्रमण के सम्बन्ध में एक्शन प्लान तैयार कर उसे जिला प्रशासन को सौंपे। ताकि रेलवे की भूमि को अतिक्रमणकारियों के कब्जे से मुक्त करायी जा सके। बैठक में एडीएम अशोक जोशी, नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय, रेल विभाग के एडीआरएम विवेक गुप्ता, सिटी मजिस्ट्रेट रिचा सिंह, एसडीएम मनीष कुमार सहित प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री बनने के बाद सौरभ ने किया टपकेश्वर मन्दिर में महादेव का रुद्राभिषेक

विशेष संवाददाता

देहरादून। सितारगंज विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार के विधायक सौरभ बहुगुणा द्वारा उत्तराखंड सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने के बाद आज देहरादून में टपकेश्वर मंदिर पहुंच कर टपकेश्वर महादेव का रूद्र अभिषेक कर प्रदेश वासियों के सुख-समृद्धि की कामना की गई।

सौरव बहुगुणा ने अपनी दिनचर्या के अनुरूप सर्वप्रथम टपकेश्वर महादेव के दर्शन किए। इस दौरान सौरव बहुगुणा ने कहा कि टपकेश्वर महादेव का आशीर्वाद उन पर सदैव रहा है। टपकेश्वर दर्शन के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं द्वारा सौरव बहुगुणा को मंत्री पद का दायित्व मिलने पर शुभकामनाएं दी गई।

सौरभ बहुगुणा ने कहा कि प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर रखने के लिए वह संकल्पित रहेंगे। इस अवसर पर शिवेश बहुगुणा , राहुल गर्ग, अक्षय जैन ,विप्लव गर्ग, वैभव पंडित, शशांक त्यागी ,जतिन कुकरेजा, सकूल उनियाल ,कपिल अरोड़ा, ऋषभ जैन, कुलदीप पंथ, सत्यम अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चन्द्रभागा नदी के पास दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही पकड लिया।

तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 12 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंन अपने नाम विनोद मस्सी पुत्र राजू मस्सी निवासी टीएचडीसी कॉलोनी ऋषिकेश, सुरेंद्र साहनी पुत्र रामप्रीत साहनी निवासी न्यू त्रिवेणी कॉलोनी चंद्रेशनगर ऋषिकेश बताया।

वरिष्ठ पत्रकार सुनील पाण्डेय बने प्रेस सचिव

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के वरिष्ठ पत्रकार सुनील दत्त पांडे को श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा पंजाब का प्रेस सचिव बनाया गया है। संस्था के अध्यक्ष द्वारा शुभकामनाएं संदेश भेजते हुए श्री पांडेय को इस जिम्मेदारी के लिए पांच साल के लिए नियुक्त किया है। सुनील दत्त पांडे जनसत्ता के उत्तराखंड प्रदेश के स्टेट हेड हैं। वे एनयूजे (इंडिया) उत्तराखंड के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। वे वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार होने के साथ-साथ हमेशा समाजिक सरोकारों में भी बढ़-चढ़कर जुड़े रहते हैं।

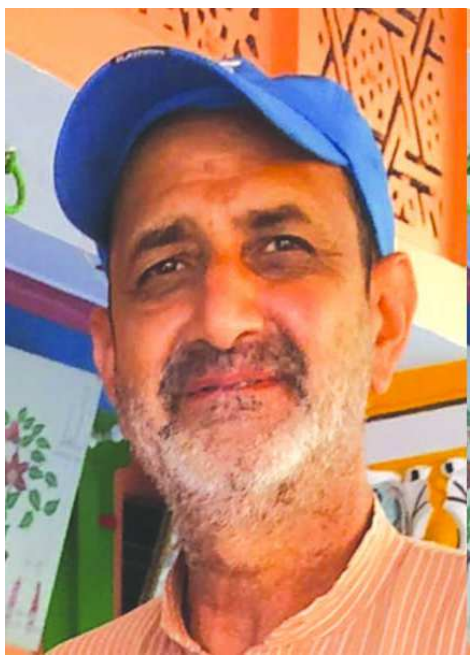

न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन के लघु व्यापारियों की आपात बैठक आयोजित

संवाददाता

हरिद्वार। प्रथम न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन चंडी चौराहे ललतारो पुल मार्ग प्रांगण में लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में स्थानीय व्यापारियों की एक आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक के माध्यम से न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन के सभी लघु व्यापारियों ने मुख्य नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती को पत्र लिखकर न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन में नगर निगम की और से दी जाने वाली सभी मूलभूत सुविधाओं को क्रियान्वित किए जाने को लेकर वेंडिंग जोन को विकसित कर रही कंपनी किरण सॉफ्टवेयर सलूशन को निर्देशित किया जाए किराया रसीद के आदान-प्रदान के साथ वेंडिंग जोन में स्थानीय चौकीदार बिजली पानी २४ घंटे लाइव सीसीटीवी कैमरा के संचालन के साथ आसपास अवैध पार्किंग अंकुश लगाना व निगम प्रशासन की और से अनुबंध परिचय पत्र, लाइसेंस ३ साल के लिए दिया जाना जैसी सुविधाएं दिए जाने की मांग को दोहराया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा न्यू स्मार्ट प्रथम वेंडिंग जोन विकसित किया जा चुका है और आज ०१ अप्रैल २०२२ से सभी न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन के लघु व्यापारी वेंडिंग जोन का रखरखाव कर रही कंपनी किरण सॉफ्टवेयर सलूशन को ४० रूपये प्रतिदिन के हिसाब से १२०० रूपये महीना अदा करने को तैयार हैं लेकिन उत्तराखंड शासन के निर्देश के अनुसार लाभार्थी सभी लघु व्यापारियों को ३ वर्ष के लाइसेंस अधिकृत निगम की और से परिचय पत्र अनुबंध के साथ-साथ राज्य राज्य फेरी नीति नियमावली का संरक्षण प्राथमिकता के आधार पर दिया जाना न्याय पूर्ण होगा। न्यू प्रथम स्मार्ट वेंडिंग जोन के लघु व्यापारियों की बैठक में सम्मलित हुए अध्यक्ष मनोज कुमार मंडल, महामंत्री सचिन कुमार राजपूत, कोषा अध्यक्ष जय सिंह बिष्ट, सतपाल सिंह ठाकुर, मोहनलाल, छोटे लाल शर्मा, मोतीराम, प्रमोद कुमार, श्याम जीत बलबीर आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

रूस की सेना ने यूक्रेन को वापस सौंपा चेर्नोबिल ऊर्जा संयंत्र !

कीव। यूक्रेन और रूस की सेना में जारी युद्ध के बीच रूसी सेना ने शुक्रवार को चेर्नोबिल नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र स्थल का नियंत्रण वापस यूक्रेन को सौंप दिया और विकिरण से दूषित इस स्थान को छोड़ दिया। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस ने एक महीने से ज्यादा समय पहले चेर्नोबिल को अपने कब्जे में ले लिया था। इसके साथ ही कीव के बाहरी इलाकों और अन्य मोर्चों पर जंग जारी है। यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी, एनर्जोएटम ने कहा कि बंद पड़े संयंत्र से सैनिकों को विकिरण दंश झेलना

पड़ रहा था, जिसके बाद उन्होंने चेर्नोबिल को छोड़ दिया। हालांकि, स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती। यूक्रेन की एक सरकारी एजेंसी ने कहा कि शुक्रवार को रूस की सेना की अंतिम टुकड़ी परमाणु संयंत्र क्षेत्र से चली गई। एनर्जोएटम ने सैनिकों की हालत का कोई विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया और केवल इतना कहा कि उन्हें रेडियोधर्मी विकिरण का दंश झेलना पड़ा। यह भी नहीं बताया गया कि, कितने सैनिक विकिरण से प्रभावित हुए। रूस के सैनिक चेर्नोबिल से ऐसे वक्त में पीछे हटे हैं, जब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि क्रेमलिन यूक्रेन में पीछे हटने के लिए बातचीत करने की आड़ में अपनी सेना को फिर से तैयार कर देश के पूर्वी हिस्से में पुनः तैनात करने की कोशिश कर रहा है।

महीने के पहले दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर 250 रुपए हुआ महंगा

नई दिल्ली । अप्रैल महीने की शुरुआत में ही आम आदमी को महंगाई का एक और झटका लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने एलपीजी के कमर्शियल गैस सिलेंडर पर २५० रुपये की बढ़ोत्तरी की है। जिसके बाद आज से १६ किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के लिए २२५३ रुपए चुकाने होंगे। दाम में बढ़ोत्तरी के बाद दिल्ली में १६ किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की नई कीमत २,२५३ रुपये का हो गई है। कोलकाता में यही सिलेंडर अब २,३५१ रुपये का, मुंबई में २,२०५ रुपये का और चेन्नई में २,४०६ रुपये का हो गया है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट में खाना खाना और महंगा हो जाएगा। इससे पहले सरकार ने १ मार्च २०२२ को भी कमर्शियल सिलेंडर के दाम में १०५ रुपये की बढ़ोत्तरी की थी। जबकि २२ मार्च को जब सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए थे, तब इसे ६ रुपये सस्ता किया गया था। सरकारी तेल कंपनी आईओसी की वेबसाइट पर तेल कंपनियां हर महीने नए दाम जारी करती हैं।

रूस भारत को 1.5 करोड़ बैरल कच्चे तेल की खरीद पर भारी छूट देने का तैयार

नई दिल्ली। रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद से दुनिया में तेल संकट की बात कही जा रही है। वहीं भारत के लिए इस आपदा में भी बड़ा अवसर आया है। ताजा खबर यह है कि रूस ने भारत के सामने सस्ते दाम में कच्चा तेल खरीदने का ऑफर दिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने भारत को तेल की सीधी खरीद पर भारी छूट की पेशकश की है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद यूरोपीय और पश्चिमी देशों ने कड़े प्रतिबंध लगाए हैं और

कच्चा तेल खरीदना बंद कर दिया है। अपने यहां बिक्री घटने के बाद अब रूस भारत की ओर उम्मीद की नजर से देख रहा है। रूस ३५ डॉलर प्रति बैरल के रेट से उच्च ग्रेड का कच्चा तेल भारत को बेचने को तैयार है। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि रूस ने अपने मैसेजिंग सिस्टम एसपीएफएस का उपयोग करके रुपये–रूबल में भुगतान की पेशकश की है। इस कारण भी भारत के लिए यह ऑफर और आकर्षक होता है, क्योंकि मॉस्को को स्विफ्ट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। भारत सरकार यदि रूस का यह ऑफर स्वीकार करती है तो भारत में सस्ते पेट्रोल और डीजल की राह खुल जाएगी। भारत के लिए तेल एक प्रमुख चिंता है, क्योंकि हम अपनी जरूरतों का लगभग ८५ प्रतिशत आयात करते हैं।

22 मई को खुलेंगे गुरुद्वारा श्री हेमकुण्ट साहिब के कपाट

संवाददाता

देहरादून। गुरुद्वारा श्री हेमकुण्ट साहिब मनेजमेंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सरदार नरेंदर जीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि गुरूद्वारा श्रीहेमकुण्ड साहिब के कपाट 22 मई से खुल जायेंगे।

गुरुद्वारा श्री हेमकुण्ट साहिब मनेजमेंट ट्रस्ट के ट्रस्टीयों ने भारतीय सेना एवं अपने दल द्वारा किये गये निरीक्षण के पश्चात उत्तराखंड प्रशसन से विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया है कि विश्व भर से गुरद्वारा श्री हेमकुण्ट साहिब के दर्शनों के लिये आने वाले श्रद्धालुयों के लिये गुरुद्वारा साहिब के कपाट इस वर्ष 22 मई दिन रविवार को प्रातः साढे दस बजे खोल दिये जाएंगे। उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सरदार नरेंदर जीत सिंह बिंद्रा ने कहा कि यात्रियों की सुविधायों के लिये ट्रस्ट द्वारा अपने सभी गुरुद्वारों, धर्मशालयों, पब्लिक विश्राम आदि में रख रखाव का कार्य आरम्भ कर दिया गया है स भारतीय सेना भी अप्रैल के दूसरे सप्ताह से बर्फ कटान का कार्य आरम्भ कर देगी। स्थानीय नागरिक, प्रशासन एवं गुरुद्वारा ट्रस्ट के सभी ट्रस्टी तथा सेवादार श्री हेमकुण्ट साहिब की यात्रा को सुगम बनाने हेतु तत्पर हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि इस वर्ष सभी आने वाले यात्रियों एवं श्रद्धालुयों की यात्रा निर्विघ्नता पूर्वक सफल हो।

कनाडा भेजने के नाम पर ठगे 70 हजार

संवाददाता

देहरादून। कनाडा की टिकट कराने के नाम पर छात्रा से ठगे 70 हजार रूपये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जैसमीन सलूजा पुत्री इद्रजीत सलूजा निवासी डी ४७ रेसकोर्स देहरादून अपनी पढाई पुरी करने कैनाडा जाने की इच्छुक है तथा साइस कालेज ऑफ एप्लाइड आर्ट ने टेक्नोलोजी में मार्केटिंग मैनेजमैन्ट को कोर्स के लिए नामांकन करा रखा है तथा अपने कोर्स की फीस 911055 कालेज में पूर्ण रूप से जमा कर रखी है ।यह भी पीडिता द्वारा योगेश गर्ग को अपने दोस्त के माध्यम से कनाडा जाने के लिए टिकट बुक करने के लिए परिचय कराया था तथा 12 दिसम्बर 2021को योगेश गर्ग ने पीडिता को यह प्रस्ताव दिया गया कि वह टिकट बुक कराने व 2 दिन दुबई में अच्छे होटल में ठहराने की सेवा देने के लिए एक लाख 40 हजार रूपये का भुगतान करना पडेगा जिस प्रस्ताव की पीडिताा द्वारा स्वीकार किया गया। इसके बाद योगेश गर्ग ने पीडिता से टिकट के नाम पर 70 हजार रूपये लिये लेकिन टिकट बुक नहीं करायी तथा उसका फोन उठाना भी बन्द कर दिया। जब छात्रा ने उससे अपने रूपये वापस मांगे तो वह उसके लिए भी टाल मटोल करने लगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉ. निधि का तबादला..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कारण अगर डॉक्टर निधि जैसे विशेषज्ञ डॉक्टर इस्तीफा सौंप कर चले जाते हैं तो इसका क्या संदेश जाएगा और क्या कोई डॉक्टर उत्तराखंड में नौकरी को तैयार होगा यह सोचनीय सवाल है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सचिव डॉ एसएस संधू को इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके बाद मुख्य सचिव डॉ एसएस संधू ने अपर मुख्य सचिव मनीषा पंवार को तथ्यात्मक आधार पर पूरे मामले की विस्तृत जांच कर शासन को सौंपने के निर्देश दिए हैं।

किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुशासन का होना जरूरीः धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में देशभर के विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अनेक बच्चों से चर्चा कर उनकी समस्याओं के समाधान के मंत्र दिए। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा पर चर्चा के माध्यम से प्रधानमंत्री जी द्वारा विद्यार्थियों को तनाव मुक्ति, आत्मविश्वास बढ़ाने, एकाग्रचित मन के लिए जिस तरह प्रेरित किया गया है, यह विद्यार्थियों के मनोबल को ऊंचाईयों तक पहुंचाता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी के मन में परीक्षा के तनाव का वातावरण न हो और आत्मविश्वास हो, तो उसके बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुशासन का होना जरूरी है। बच्चे, माता–पिता एवं गुरूजनों का अनुसरण सबसे अधिक करते हैं। बच्चों की प्रतिभाओं को उजागर करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरणा दी कि बेहतर कार्य करने के लिए मन में उत्साह होना चाहिए। यदि मन में उत्साह हो तो कार्य के प्रति ऊर्जा स्वतः ही आ जाती है।

नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को नए रास्ते पर जाने का सम्मान के साथ अवसर दे रही है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, शिक्षा सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आर राजेश कुमार, महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

परीक्षा जीवन का सहज..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कहा कि बच्चों को हम तभी उन अच्छी आदतों के बारे में कह सकते हैं जब हम उसका स्वयं उदाहरण बने। उन्होंने कहा कि बच्चों, माता-पिता और गुरुओं को अपनी बड़ी जिम्मेवारी निभाने के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर धामी ने अपने जीवन के अनेक संस्मरण भी बच्चों को सुनाएं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।